

**DIPLOMA IN PRIMARY EDUCATION
(DPE)**

Term-End Examination

December, 2011

**ES-222 : EDUCATION IN EMERGING
INDIAN SOCIETY**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

-
- Note :** (i) *All questions are compulsory.*
(ii) *All questions carry equal weightage.*
-

Answer the following questions (1 and 2) in about **600** words.

1. Discuss contemporary issues related to elementary education. What steps have been taken to provide quality education at elementary level ?

OR

Describe the agencies of education and discuss the role of a teacher in integrating different agencies of education.

2. Discuss the concept of universalisation of Primary education in terms of access, provision, enrolment and achievement. Support your answer with - suitable examples.

OR

What is the difference between a Syllabus and Curriculum ? Discuss the main principles of curriculum planning,

3. Answer *any four* of the following questions in about **150** words each.

- (a) Explain the advantages of parent -teacher Cooperation.
- (b) Distinguish between the subject - Centred and child Centred Curriculum.
- (c) Describe the concept of school mapping
- (d) Explain the scheme of "Operation Black Board."
- (e) Explain the need for Protective discrimination for minorities of Indian societies.
- (f) Explain the influence of media on the education of children.

4. Answer the following question in about **600** words.

Make a list of activities /occasions in the school in which the community can be involved for the development of education of children. Prepare a comprehensive plan to Secure Community involvement and help for your School.

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा

(डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

ई.एस.-222 : उभरते भारतीय समाज में शिक्षा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

Note : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

निम्नलिखित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 1 व 2) में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखें।

1. प्रारम्भिक शिक्षा से सम्बंधित समसामयिक मुद्दों पर चर्चा करें। भारत में प्रारम्भिक स्तर पर गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने हेतु क्या कदम उठाये गये हैं ?

अथवा

शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थाओं (agencies) का वर्णन करें। विभिन्न एजेन्सियों के कार्यकलापों को समन्वित करने में अध्यापक की भूमिका पर चर्चा करें।

2. उपलब्धता, नामांकन और अधिगम उपलब्धि के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण की अवधारणा की व्याख्या करें। अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण दें।

अथवा

पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या में क्या अन्तर होता है? पाठ्यचर्या नियोजन के मुख्य सिद्धान्तों पर चर्चा करें।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखें।

- (a) 'अध्यापक-अभिभावक सहयोग के लाभ' विषय की व्याख्या करें।
- (b) विषय-केंद्रित और बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या में अन्तर स्पष्ट करें।
- (c) विद्यालय मैपिंग (mapping) की अवधारणा का वर्णन करें।
- (d) 'श्यामपट आप्रेशन' योजना की व्याख्या करें।
- (e) भारतीय समाज में अल्पसंख्यक समुदायों के पक्ष में संरक्षात्मक पक्षपात की आवश्यकता की व्याख्या करें।
- (f) बालकों की शिक्षा पर मीडिया के प्रभाव की चर्चा करें।

4. निम्नलिखित प्रश्न का लगभग 600 शब्दों में उत्तर लिखें।

विद्यालय में बालकों की शिक्षा हेतु विभिन्न अवसरों पर समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु जो कार्यकलाप आयोजित किये जा सकते हैं, उनकी सूची बनायें। विद्यालय में समुदाय की सहभागिता और सहायता प्राप्त करने हेतु व्यापक योजना बनायें।